## INHALTSVERZEICHNIS

| Einführung   |
|--|
| ERSTER TEIL: DIE ÜBERLIEFERUNG                               |
| Erstes Kapitel. Die Beschreibung der Handschriften           |
| 1. Übersicht   |
| 2. Beschreibungen  |
| W1 -Wien, Österreichische Nationalbibliothek, Nr. 2684*      |
| 4°, 1486   |
| Ba -Basel, Universitätsbibliothek, Cod. G <sup>2</sup> II 58 |
| H -Fragment Heinrich Hoffmann                                |
| Ha -Hall, Franziskanerkloster                                |
| M1 -München, Bayerische Staatsbibliothek, Cgm 5248 Nr. 5     |
| M2 -München, Bayerische Staatsbibliothek, Cgm 4880           |
| O -München, Bayerische Staatsbibliothek, Cgm 74              |
| P -Proveis, Gemeindearchiv                                   |
| R -München, Bayerische Staatsbibliothek, Cgm 5256 3          |
| W2 -Wien, Österreichische Nationalbibliothek, Nr. 2718       |
| 3. Tabelle der mehrfach überlieferten Predigten              |
| Zweites Kapitel. Die Einordnung der Handschriften            |
| 1. Die Handschriften B, Ha und P                             |
| 2. Die Handschrift Ba  |
| 3. Die Fragmente M1 und M2                                   |
| 4. Die Handschriften H und O                                 |
| 5. Die Handschriften R und W1                                |

| VIII Inhaltsverzeichnis   |          |
|---|----------|
| 6. Die Archetypen   | 56       |
| 7. Das Stemma   | 59       |
| Drittes Kapitel. Das Predigtbuch des Priesters Konrad   |          |
| 1. Die Handschrift W1   | 60       |
| A. Die Anordnung der Predigten  | 60<br>63 |
| 2. Das Verhältnis R zu W1   | 65       |
| 3. Die Heimat des Predigtbuches   | 69       |
| ZWEITER TEIL: DIE GESTALT   |          |
| Viertes Kapitel. Der Aufbau der einzelnen Predigten   |          |
| Die Gestalt des Aufbaus (Homilie, Sermon)   | 79       |
| Die Elemente des Aufbaus  | 82       |
| A. Die Einleitung   | 82       |
| B. Die Überleitung von der Perikope zur Interpretation  | 84<br>85 |
| D. Die Bibelzitate  | 87       |
| E. Zusammenfassung  | 89       |
| Fünftes Kapitel. Der Stil der Predigten   |          |
| . Erweiterungen, die der inhaltlichen Erläuterung dienen  | 92       |
| . Erweiterungen, die der syntaktischen Verknüpfung dienen   | 93       |
| . Erweiterungen, die der syntaktischen Ordnung dienen (geminatio – reduplicatio, Prolepse, Anapher – Epipher, Parallelismus, Wortvariation)   | 94       |
| Der Satzbau   | 99       |
| Etweiterungen, die dem Schmuck der Rede dienen (Wortvariation, Alliteration – Reim, Gegensatzpaare, Formelhafte Attribute – Beinamen, Schmückende Attribute, Annomination – Polyptoton – Wortspiel) | 100      |
| Erweiterungen, die dem Kontakt mit dem Publikum dienen (Anrede, Fragen, Ausrufe, Fremdwörter)   | 111      |
| Die Dildlichlieie /Dilder comes sinchie Assessations)   | 440      |

## DRITTER TEIL: DER GEHALT

## Sechstes Kapitel. Der Lehrinhalt der Predigten

| 1. Die Lehre von Gott                                | •  | •  | ٠  | ٠   | •    | ٠ | ٠  | -  | •  | •  | •          | •  | •   | •  | •   | ٠  | •  | • | ٠ | • | • | 126 |
|--|----|----|----|-----|------|---|----|----|----|----|------------|----|-----|----|-----|----|----|---|---|---|---|-----|
| A. Deus unus   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 126 |
| B. Trinitas  |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 127 |
| C. Die drei göttlichen Personen                      |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    | •          |    |     |    |     |    |    |   |   |   | ٠ | 128 |
| 2. Die Lehre von Christus                            |    |    | •  |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 130 |
| 3. Das Werk des Erlösers                             |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 132 |
| A. Der Sündenfall                                    |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 132 |
| B. Der Alte Bund                                     |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 132 |
| C. Die Erlösung                                      | •  |    |    | •   |      | • |    |    | •  |    | •          | •  | ٠   | •  | ٠   |    |    |   | ٠ |   | • | 133 |
| 4. Der Mensch  |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 134 |
| A. Die Erschaffung – die Welt                        |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 134 |
| B. Die Sünde   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 135 |
| C. Die Gnade   | •  | •  | •  | •   | •    | • | •  | ٠  |    | •  | •          | ٠  | ٠   | ٠  | ٠   |    | •  | • | • | • | ٠ | 136 |
| 5. Die Kirche – die Christenheit.                    |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 137 |
| A. Die Grundlagen                                    |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 137 |
| B. Die Verfassung der Kirche.                        |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 138 |
| C. Die innere Gestalt der Kirche                     |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   | • | ٠ | ٠ | 139 |
| Die Menschen außerhalb der                           | Ki | rc | he | : I | ) ie | J | ud | en | 13 | 39 | <b>-</b> ] | Di | e I | Ie | ide | en | 14 | 0 |   |   |   |     |
| 6. Die Heilsmittel                                   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 141 |
| A. Die Tugenden (Liebe, Barmhe                       |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 142 |
| Jungfräulichkeit)                                    |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 145 |
| C. Die guten Werke                                   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 146 |
| D. Die Prüfungen                                     |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 146 |
| · ·  |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 147 |
| E. Die Sakramente Taufe 147 – Eucharistie 148 – l    |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    | •   | •  | ٠  | • | ٠ | • | ٠ | 14/ |
| F. Das Kirchenjahr                                   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 151 |
| 7. Vorbilder, Helfer, Widersacher<br>A. Die Heiligen |    |    |    |     |      |   |    |    |    | _  |            |    |     |    |     |    | _  |   |   |   |   | 152 |
| Maria 154 – Die anderen Heili<br>Jungfrauen 156      |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     | •  | -  | - | • | , |   | -3- |
| B. Die Engel   |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   | 159 |
| C. Der Teufel  |    |    |    |     |      |   |    |    |    |    |            |    |     |    |     |    |    |   |   |   |   |     |

| X                          | Inhaltsverzeichnis  |
|----------------------------|---|
| A. Der Tod                 | 16         16         16         16         16         16         16         16 |
| Sieben                     | tes Kapitel. Die Terminologie   |
|                            |   |
| Ü                          |   |
| VIERTER TEIL: TEX          | TE - DIE PREDIGTEN DER GRUPPE Y   |
| Zur Auswahl und Gestaltung | ler Texte   |
| Register                   |   |
| Die Predigten:             |   |
| 1 Sonntagspredigt          |   |
| 2 Stephanus                |   |
| 3 Johannes Evangelista     |   |
| 4 Unschuldige Kinder       |   |
| 5 Silvester                |   |
| 6 Sebastian                | , ,   |
| 7 Severus                  |   |
| 8 Mariae Verkündigung      |   |
| 9 Maria Egyptiaca          |   |
| 10 Kreuzauffindung         |   |
| 11 Kreuzauffindung         |   |
|                            | n Pforte  |

 14 Vitus
 246

 15 Petri Kettenfeier
 250

 16 Mariae Himmelfahrt
 253

|   | Inhaltsverzeichnis     | XI  |
|---|------------------------|-----|
| 17 Mariae Himmelfahrt                                 |                        | 256 |
| 18 Mariae Geburt                                      |                        | 260 |
| 19 Apostelpredigt                                     |                        | 262 |
|   | . <b></b>              |     |
| 21 Bekennerpredigt                                    |                        | 270 |
| 22 Jungfrauenpredigt                                  |                        | 273 |
| 23 Kirchweih  |                        | 277 |
| 24 Aschermittwoch                                     |                        | 282 |
| 25 Bittag (Lesarten), s. Komment                      | tar, S. 309            |     |
| Kommentar   |                        | 285 |
| Literaturverzeichnis (zugleich A                      | Abkürzungsverzeichnis) | 311 |
| Register zum Lehrinhalt der Pro<br>(Sechstes Kapitel) | edigten                | 317 |